ओम् शान्ति 30-6-20 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, सदा परमात्म दुआओं में पलने वाले, मास्टर रचयिता की स्टेज पर रह, दु:ख और सुख की नॉलेज होते हुए भी उसके प्रभाव से न्यारे, आपदाओं में भी मनोरंजन का अनुभव करने वाले सम्पूर्ण योगी, निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सभी ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आप सभी प्यारे बापदादा के साकार वा अव्यक्त महावाक्य सुनते, उनकी गहराई में जाते सदा अपनी ऊंचे से ऊंची स्थिति बनाने के पुरुषार्थ में तत्पर होंगे। देखो, समय प्रमाण हम सबका मीठा प्यारा बाबा सदा हमें सेफ्टी में रहने के लिए कितने गुप्त इशारे देता है। आज मोहिनी बहन (न्युयार्क) के द्वारा जो सन्देश आया है, वह आपके पास भेज रहे हैं, जरूर इस पर ध्यान देना जी। वैसे तो जुलाई-अगस्त मास में सभी तरफ योग तपस्या की बहुत अच्छी भट्ठियां सदा चलती हैं। इस समय हमारे शान्तिवन में तो लगातार अखण्ड योग भट्ठी बाबा के कमरे में चल रही है। मधुबन के तीनों ही स्थानों पर सभी एकान्तवास करते हुए अपनी लगन में मगन हैं। अभी 1 जुलाई 2020, से सभी समर्पित यज्ञ निवासी भाई बहिनों के लिए 4-4 दिन की, 5 ग्रुप में ''विशेषता सम्पन्न योग तपस्या'' का कार्यक्रम रखा गया है।

आशा है आप सभी निमित्त बहिनें तथा पूरा ब्राह्मण परिवार योग तपस्या पर विशेष अटेन्शन दे रहे होंगे। अब चारों ओर विशेष स्व-उन्नति तथा प्रकृति सहित पूरे विश्व को सकाश देने निमित्त ऐसी योग तपस्या की लहर फैलानी है। इसी लक्ष्य से आपके पास स्वयं की चेकिंग और अटेन्शन रखने के लिए एक छोटा सा चार्ट भी भेज रहे हैं, जरूर सभी समर्पित टीचर्स बहिनें/भाई और प्रवृत्ति में रहने वाले बी.के. परिवार इसे रोज़ नोट करके अपने पुरुषार्थ में तीव्रता लायेंगे। ऐसी मेरी शुभ भावना है। अच्छा!

सभी को बहुत-बहुत स्नेह सम्पन्न याद...

B.K. Ratan Mohini

बी.के. रतनमोहिनी

ओम् शान्ति 30-6-20 मधुबन

''सर्व ब्राह्मण परिवार प्रति - प्यारे बापदादा का विशेष सन्देश''

(21-6-20 - मोहिनी बहन, न्युयार्क)

आज आप सभी भाई बहिनों की याद लेकर बापदादा के पास वतन में पहुंची और सभी की याद बाबा को दी तो बाबा मुस्कराते हुए बोले बच्चे, वर्तमान समय आपकी इस लौकिक दुनिया में तो बहुत ही दु:ख दर्द की सीन चल रही है, सभी कितने भयभीत हैं! लेकिन इतनी तकलीफें होते भी लोगों में अभी तक वैराग्य नहीं आ रहा है। आप बच्चों के पास भी पुराने शरीर के हिसाब-किताब आ रहे हैं, लेकिन आप उसे खुशी-खुशी से चुक्तू कर रहे हो क्योंकि आप अनुभव करते हो कि बाबा हमारे साथ है। आपका मन सदा शुद्ध और पवित्र हैं इसलिए भय नहीं लगता है। बाबा ने तो समय प्रति समय इशारा दिया है कि बच्चे, यह समय है पवित्रता, योग और श्रेष्ठ कर्मो की शक्ति के प्रयोग करने का। लौकिक दुनिया में तो बच्चों को बाप का वर्सा सहज मिलता है लेकिन यहाँ आपको अपनी पवित्रता, योग और परमात्म प्यार से वर्सा लेने के लायक बनाना पड़ता है।

वर्तमान समय तत्वों पर भी जैसे ग्रहण चल रहा है। यह तत्व भी कितना खेल कर रहे हैं। चारों ओर अशुद्धता, अपवित्रता छाई हुई है। हवा पानी, अन्न, फल, सब्जी आदि सब चीज़ें अशुद्ध, तमोप्रधान बन गई हैं इसलिए आप बच्चों को विशेष दो बातों का ध्यान जरूर रखना है:-

1- याद में रहकर भोजन बनाना और खाना है, क्योंकि यह भोजन की सामग्री आदि उगाने वाले, ट्रांसपोर्ट करने वाले अथवा बेचने वाले जो भी हैं, सभी इस समय भय और क्रोध में हैं, उनको अपने भविष्य की चिंता है। उनके संकल्पों का प्रभाव इन चीज़ों पर भी पड़ता है इसलिए आप बच्चों को अभी और अटेन्शन देना होगा। इन सबकी शुद्धता के लिए बाबा की याद, योग अग्नि के रूप में चाहिए। तो बाबा आज बच्चों को इस बात पर विशेष अटेन्शन खिंचवा रहे हैं। आप बच्चों को अभी अपने शरीर को भी सम्भालना है इसलिए भोजन बाबा की याद में बनाओ और बाबा को भोग लगाकर, बाबा की याद में ही खाओ।

2- अगर कोई के सामने कोई पुराना हिसाब-किताब आता है तो अधिक सोचने के बजाए सदा यही याद रहे कि बाबा हमारे साथ है और बाबा का वरदानी हाथ हमारे ऊपर है। इन्हीं वरदानों से पलते रहो। अभी निरन्तर याद में रहने का अभ्यास करो और अपने को लायक बनाओ ताकि अलौकिक और पारलौकिक बाप से अपना पूरा वर्सा ले सको। ऐसा इशारा देते हुए बाबा ने सभी को याद दी और मैं साकार वतन में आ गई। अच्छा! ओम् शान्ति।

अपनी सूक्ष्म चेकिंग के लिए विशेष चार्ट (2020)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1) प्रकृति के तत्वों को शुद्ध (पावन) बनाने के लिए सवेरे और शाम को विशेष मन्सा सेवा की? (हर एक को कम से कम सवेरे आधा घण्टा और शाम को आधा घण्टा मन्सा सकाश देने की सेवा अवश्य करनी है)															
2) अमृतवेले का योग कितना समय किया? वह योग शक्तिशाली रहा?															
3) भोजन बनाते वा खाते समय पूरा समय बाबा की याद में रहे?															
4) पूरा समय एकरस खुशनुमा मूड रही? या किसी कारण से मूड परिवर्तित हुई?															
5) कोई भी बात ने मन को डिस्टर्ब तो नहीं किया? ऐसे कोई बोल तो नहीं बोले, जो सामने वाली आत्मा डिस्टर्ब हो जाए?															
6) साक्षीदृष्टा स्थिति द्वारा अन्तर्मुखी रहने का अभ्यास किया? आत्मिक स्थिति कितना समय रही?															
7) मन-वचन-कर्म की शुद्धता/पवित्रता की परसेन्टेज क्या रही?															
8) हर आत्मा की विशेषताओं पर ही ध्यान गया या कोई की कमी कमजोरी देखी और उसका वर्णन किया?															

यह चार्ट सभी भाई बहिनें रोज़ रात को लिखें तथा बाबा को सच्चाई से अपना पोतामेल देकर डबल लाइट बन बाबा की गोदी में विश्राम करें।